एनएच-46 बना खूनी ट्रैक

24 घंटे में तीन हादसे, 3 की मौत, कई घायल

नवभारत न्यूज
शिवपुरी, 19 अप्रैल। जिले में बीते 24 घंटों के भीतर सड़क हादसों की ऐसी श्रृंखला सामने आई, जिसने सुरक्षा व्यवस्था और लापरवाह ड्राइविंग पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अलग-अलग स्थानों पर हुए तीन हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हैं। खास बात यह है कि अधिकांश हादसे नेशनल हाईवे-46 और उसके आसपास हुए, जहां रफ्तार और लापरवाही ने मिलकर जिंदगी छीन ली।

तेज रफ्तार बस ने ट्रैक्टर पलटाया

रविवार दोपहर लुकवासा चौकी क्षेत्र के दैहरदा तिराहे के पास एनएच-46 की सर्विस रोड पर सिकरबार ट्रेवल्स की बस ने पीछे से ट्रैक्टर-ट्रॉली को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रैक्टर पलट गया और चालक बबलू दुर्जन सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बस चालक तेज और लापरवाही से वाहन चला रहा था। हादसे में बस का अगला टायर भी फट गया, हालांकि बस में सवार यात्री सुरक्षित रहे। पुलिस ने घायल को तत्काल अस्पताल भिजवाकर जांच शुरू कर दी है।

शादी से लौटते समय दो युवकों की मौत

शनिवार रात जिले में दो अलग-अलग सड़क हादसों में दो युवकों की जान चली गई। पहली घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के कठमई तिराहे पर हुई, जहां अज्ञात वाहन ने बाइक सवार 25 वर्षीय अभिषेक परिहार को टक्कर मार दी। हादसे में अभिषेक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी मां रामबाई परिहार गंभीर रूप से घायल हो गईं। दोनों शादी समारोह से लौट रहे थे। दूसरा हादसा कोलारस थाना क्षेत्र में गांधी पेट्रोल पंप के सामने हुआ। यहां 38 वर्षीय अर्जुन रावत की बाइक को गलत दिशा से आ रहे वाहन ने टक्कर मार दी। अर्जुन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी इकलेश रावत गंभीर रूप से घायल हो गईं। दोनों ही घटनाओं में पुलिस ने अज्ञात वाहन चालकों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

सेंटरिंग से भरी ट्रॉली बनी मौत का कारण

तीसरा हादसा इंदार थाना क्षेत्र में सामने आया, जहां खरेह गांव निवासी 33 वर्षीय कृष्णवीर लोधी की दर्दनाक मौत हो गई। वह अपने मकान की छत डालने के लिए सेंटरिंग का सामान लेकर लौट रहा था। इंदार गांव के पास पुलिया के निकट अचानक ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई। ट्रॉली के नीचे दबने से कृष्णवीर ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। ग्रामीणों ने मशक्कत कर उसे बाहर निकाला, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

सवालों के घेरे में हाईवे की सुरक्षा

लगातार हो रहे हादसों ने एनएच-46 की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। तेज रफ्तार, गलत दिशा में वाहन चलाना और लापरवाही ये तीनों कारण बार-बार सामने आ रहे हैं, लेकिन ठोस कार्रवाई न होने से हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे। तीनों मामलों में संबंधित थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घायलों का इलाज जारी है, जबकि मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया है।

प्रशासन की तत्परता से रुका बाल विवाह

17 साल की देवकी की 20 को होनी थी शादी

नवभारत न्यूज
बदरवास/रन्नौद, 19 अप्रैल। जिले के रन्नौद थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम छावरा में महिला एवं बाल विकास विभाग और पुलिस प्रशासन ने समय रहते एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक नाबालिग लड़की का विवाह रुकवा दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बालिका की उम्र मात्र 17 वर्ष 10 माह है, जिसे कानूनन वयस्क होने में अभी दो माह शेष हैं।

क्या है पूरा मामला?

ग्राम छावरा निवासी मेहरबान सिंह लोधी की पुत्री देवकी का विवाह कोलारस तहसील के ग्राम काजीखेड़ी निवासी गजराज सिंह लोधी के पुत्र छोटू के साथ तय हुआ था। शादी की रस्में 20 तारीख को संपन्न होनी थी और दोनों परिवारों में इसकी तैयारियां जोर-शोर से चल रही थीं।

जब प्रशासन को इस बाल विवाह की गोपनीय सूचना मिली, तो टीम ने तत्काल हरकत में आते हुए गांव में दबिश दी। दस्तावेजों की जांच में पाया गया कि लड़की की आयु विवाह के लिए निर्धारित कानूनी उम्र (18 वर्ष) से कम है।

प्रशासनिक टीम की रही अहम भूमिका

इस विवाह को रुकवाने और एक मासूम का भविष्य सुरक्षित करने में प्रशासनिक अमले और जागरूक नागरिकों ने सक्रिय भूमिका निभाई,बदरवास महिला बाल विकास अधिकारी अमित यादव और पर्यवेक्षक अनीता राजपूत ने मौके पर पहुंचकर परिजनों की जानकारी की। रन्नौद थाने में पदस्थ एएसआई जयनारायण ने पुलिस बल के साथ कानूनी मोर्चा संभाला,प्रेस क्लब के जिला उपाध्यक्ष घनश्याम श्रीवास्तव की जागरूकता और सूचना तंत्र ने इस कार्रवाई को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

दो माह के लिए लगाई शादी पर रोक

प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए परिजनों को कानून का पाठ पढ़ाया और स्पष्ट किया कि 18 वर्ष से कम आयु में विवाह करना अपराध है। परिजनों से लिखित संकल्प लिया गया है कि वे बेटी के बालिग होने (आगामी 2 माह बाद) तक उसकी शादी नहीं करेंगे।

डीजे पर डांस और हर्ष फायर, दूल्हे की खुशी बनी मुसीबत, बारात से पहले मामला दर्ज

नवभारत न्यूज
शिवपुरी, 19 अप्रैल। शादी की खुशियां उस वक्त कानूनी संकट में बदल गईं, जब फलदान कार्यक्रम में दूल्हे ने डीजे पर डांस करते हुए हवाई फायरिंग कर दी। मामला कड़ेसरा गांव का है, जहां वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस ने दूल्हे ममलेश यादव के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। खास बात यह है कि उसकी बारात आज ही निकलनी है, ऐसे में शादी से ठीक पहले दूल्हा कानून के शिकंजे में फंस गया।

जानकारी के अनुसार, 17 अप्रैल को ममलेश यादव के घर फलदान कार्यक्रम आयोजित था। डीजे की धुन पर नाचते हुए ममलेश ने लाइसेंसी बंदूक से एक के बाद एक दो फायर किए। मौके पर मौजूद लोगों ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो सामने आते ही पुलिस हरकत में आई और जांच शुरू कर दी। जांच में सामने आया कि जिस बंदूक से फायरिंग की गई, वह ममलेश की मां सुमत यादव के नाम पर लाइसेंसी है। इसके बावजूद सार्वजनिक कार्यक्रम में इस तरह हर्ष फायर करना कानूनन अपराध माना जाता है। तेंदुआ थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 110 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी नीतू सिंह धाकड़ के मुताबिक, पुलिस शस्त्र जब्त करने और आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

घटना के बाद गांव में भी चर्चा का माहौल है, क्योंकि जिस घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं, वहीं अब पुलिस की दबिश ने माहौल बदल दिया है। यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि हर्ष फायर जैसी परंपराएं कितनी खतरनाक और गैरकानूनी हो सकती हैं। जश्न के नाम पर की गई एक गलती न सिर्फ जानलेवा हो सकती है, बल्कि कानूनी कार्रवाई का कारण भी बनती है।

मोबाइल विवाद से शुरू हुआ झगड़ा हत्या में बदला

पति ने पत्नी का गला दबाया, देवर-देवरानी भी गिरफ्त में

नवभारत न्यूज
शिवपुरी, 19 अप्रैल। करैरा थाना क्षेत्र के टीला रोड पर शनिवार रात एक घर के भीतर ऐसा खौफनाक मंजर सामने आया, जिसने रिश्तों की हकीकत को झकझोर दिया। 23 वर्षीय नंदनी साहू की हत्या उसके ही पति संदीप साहू ने कर दीपहले बेरहमी से पीटा, फिर गला दबाकर मौत के घाट उतार दिया। हैरानी की बात यह है कि घटना के वक्त घर में मौजूद देवर और देवरानी भी अब पुलिस की गिरफ्त में हैं। नंदनी और संदीप की शादी को पांच साल हो चुके थे। एक चार साल का मासूम बेटा भी है, जो अब मां के साए से वंचित हो गया। बाहर से सामान्य दिखने वाला यह परिवार अंदर ही अंदर अविश्वास और झगड़ों की आग में जल रहा था। सूत्र बताते हैं कि संदीप को अपनी पत्नी के चरित्र पर शक था, जो धीरे-धीरे हिंसा में बदलता जा रहा था।

मोबाइल टूटा, रिश्ते भी बिखरे

घटना से दो दिन पहले ही विवाद इतना बढ़ा कि संदीप ने गुस्से में नंदनी का मोबाइल तोड़ दिया। मामला मायके तक पहुंचा, परिजन समझाने भी आए, लेकिन हालात नहीं बदले। यही तनाव शनिवार रात खूनी अंजाम तक पहुंच गया। 18 अप्रैल की रात फिर कहासुनी शुरू हुई। बताया जा रहा है कि विवाद के दौरान नंदनी घर छोड़कर जाने लगी। इसी बीच संदीप ने उसे रोकने की कोशिश की और मामला हाथापाई तक पहुंच गया। आरोप है कि नंदनी ने गुस्से में पति को थप्पड़ मार दिया और यहीं से संदीप का गुस्सा बेकाबू हो गया। संदीप ने पहले पत्नी को बेरहमी से पीटा, फिर कमरे में बिस्तर पर दबोचकर उसका गला घोंट दिया। कुछ ही पलों में नंदनी की सांसें थम गईं। यह पूरी घटना घर के भीतर हुई, जहां देवर मोनू साहू और देवरानी रूचि साहू भी मौजूद थे। मृतका के शरीर पर मिले निशान इस वारदात की क्रूरता की गवाही दे रहे हैं। गले और चेहरे पर नाखून के गहरे जख्म, पीठ पर चोट के निशान और आरोपी के हाथों पर काटने के निशान साफ बताते हैं कि नंदनी ने आखिरी दम तक खुद को बचाने की कोशिश की।

कातिल का कबूलनामा

हत्या के बाद आरोपी संदीप ने खुद ही नंदनी के भाई को फोन कर घटना की जानकारी दी। जब परिजन पहुंचे, तो कमरे में पलंग पर नंदनी का शव पड़ा था। संदीप ने उनके सामने ही अपना गुनाह स्वीकार कर लिया, जिससे माहौल और भी गमगीन हो गया।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संदीप साहू के साथ देवर मोनू साहू और देवरानी रूचि साहू को भी गिरफ्तार कर लिया है। तीनों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। एसडीओपी आयुष जाखड़ के अनुसार, घटना के हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है और सभी की भूमिका स्पष्ट की जा रही है।

यह वारदात सिर्फ एक हत्या नहीं, बल्कि रिश्तों में पनपते शक, गुस्से और संवादहीनता की भयावह परिणति है। एक मामूली विवाद ने न सिर्फ एक युवती की जान ले ली, बल्कि एक मासूम बच्चे से उसकी मां छीन ली और पूरे परिवार को बिखेर कर रख दिया।

पोहरी की होनहार बेटी ने बढ़ाया मान

मेघा कोली बनीं एमबीबीएस, नगर में खुशी की लहर

पोहरी, 19 अप्रैल। छोटे से नगर पोहरी के लिए यह अत्यंत गौरव और हर्ष का विषय है कि यहां की प्रतिभाशाली बेटी कुमारी मेघा कोली ने चिकित्सा के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त कर ली है। मेघा ने गजराराजा मेडिकल कॉलेज ग्वालियर से अपनी चिकित्सा शिक्षा सफलतापूर्वक पूर्ण कर बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी की उपाधि हासिल की। मेघा कोली, पोहरी निवासी इंजीनियर एलएन कोली (एसडीओ, पीएचई) एवं शासकीय शिक्षिका ममता कोली की सुपुत्री हैं। उनकी इस उल्लेखनीय सफलता ने न केवल परिवार बल्कि पूरे नगर को गौरवान्वित किया है। बचपन से ही मेघा पढ़ाई में मेधावी रही हैं और उन्होंने अपने लक्ष्य को पाने के लिए निरंतर मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिचय दिया। मेघा की इस सफलता को लेकर नगर में उत्साह का माहौल है। जैसे ही यह खबर फैली, परिजनों, रिश्तेदारों, मित्रों एवं नगरवासियों ने उनके निवास पर पहुंचकर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। परिजनों ने बताया कि मेघा का सपना एक सफल और संवेदनशील डॉक्टर बनकर समाज की सेवा करना है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में काम करना उनकी प्राथमिकता रहेगी।

परिवार संस्था का सराहनीय योगदान, बच्चों को दिलाया ज्ञानोदय परीक्षा में अवसर

पोहरी, 19 अप्रैल। ग्रामीण एवं वंचित वर्ग के बच्चों के भविष्य को संवारने की दिशा में परिवार संस्था द्वारा एक सराहनीय पहल सामने आई है। संस्था ने ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय चयन परीक्षा में बच्चों को व्यापक सहयोग प्रदान कर मिसाल पेश की है। शिवपुरी जिले के पोहरी ब्लॉक में संचालित श्री रामकृष्ण विवेकानंद सेवा कुटीरों के माध्यम से कुल 53 कुटीरों से 27 बच्चों के परीक्षा फॉर्म भरवाए गए, जिनमें से 21 विद्यार्थी चयन परीक्षा में सम्मिलित हुए। संस्था द्वारा इन विद्यार्थियों को परीक्षा से पूर्व विशेष कोचिंग, मार्गदर्शन एवं तैयारी कराई गई। बच्चों के लिए नाश्ते की व्यवस्था कर उन्हें निश्चिंत और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा देने का अवसर दिया गया।

उल्लेखनीय है कि परिवार संस्था एक प्रतिष्ठित समाजसेवी संगठन है जिसकी स्थापना वर्ष 2003 में आईआईटी एवं आईआईएम से शिक्षित विनायक लोहानी द्वारा की गई थी। संस्था देश के विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक उत्थान के लिए नि:शुल्क सेवाएं प्रदान कर रही है। ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय में चयनित विद्यार्थियों को कक्षा 6 से 12 तक नि:शुल्क आवासीय शिक्षा प्रदान की जाती है, जिससे ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का सशक्त अवसर मिलता है। इसके अतिरिक्त संस्था द्वारा 24 गुणा 7 नि:शुल्क एंबुलेंस सेवा, मोबाइल मेडिकल यूनिट एवं नेत्र शिविरों के माध्यम से जरूरतमंदों की सेवा की जा रही है। गरीब मरीजों के नि:शुल्क ऑपरेशन, बच्चों को पोषणयुक्त आहार एवं शैक्षणिक सहयोग भी निरंतर उपलब्ध कराया जा रहा है। वर्तमान में पोहरी ब्लॉक में संस्था के 53 सेवा कुटीर संचालित हैं, वहीं जिले में 2 मोबाइल हेल्थ क्लीनिक एवं 3 एंबुलेंस लगातार नि:शुल्क सेवाएं दे रही हैं।

करैरा थार कांड : विधायक पुत्र से पूछताछ, बोले- हॉर्न बजाया, लोग नहीं हटे

5 को टक्कर के बाद अब जवाबदेही पर सवाल

नवभारत न्यूज
शिवपुरी, 19 अप्रैल। करैरा में 16 अप्रैल को हुए चर्चित सड़क हादसे ने अब कानूनी मोड़ ले लिया है। रविवार को पुलिस ने विधायक पुत्र दिनेश लोधी को थाने बुलाकर पूछताछ की। एसडीओपी आयुष जाखड़ और थाना प्रभारी विनोद छावई ने घटना के हर पहलू पर उनसे सवाल-जवाब किए। दिनेश का दावा है कि उन्होंने कई बार हॉर्न और सायरन बजाया, लेकिन सामने चल रहे लोग नहीं हटे, जिससे ओवरटेक के दौरान बाइक से टक्कर हो गई।

5 लोग घायल, महिलाओं को भी आई चोटें

सुबह करीब 7:30 बजे हुई इस घटना में काले रंग की थार ने पहले सड़क पर पैदल चल रहीं दो महिलाओं सीता वर्मा और पूजा सोनी को टक्कर मारी, फिर आगे चल रही स्प्लेंडर बाइक को चपेट में ले लिया। बाइक सवार संजय, आशीष और अंशुल परिहार समेत सभी पांच लोग घायल हुए। घायलों को हाथ-पैर, सिर और कमर में चोटें आईं। स्थानीय लोगों की मदद से सभी को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक जांच में सामान्य चोटें सामने आईं।

थार में हूटर और ब्लैक फिल्म, चालान कटा : पूछताछ के दौरान पुलिस ने थार वाहन का निरीक्षण किया, जिसमें हूटर और शीशों पर काली फिल्म पाई गई। मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालानी कार्रवाई की गई। साथ ही, पुलिस टीम ने आरोपी को घटनास्थल पर ले जाकर घटनाक्रम की पुनर्समीक्षा भी कराई। कोर्ट से प्रक्रिया पूरी होने के बाद वाहन तीन दिनों में वापस सुपुर्द कर दिया गया।

घायलों के आरोप, हाल तक नहीं पूछा

दूसरी ओर, घायलों ने विधायक प्रीतम लोधी और उनके बेटे पर हादसे के बाद कोई मदद या हालचाल न लेने के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि एफआईआर दर्ज होने के बावजूद अब तक कोई संवेदनशीलता नहीं दिखाई गई।

जांच जारी, जवाबदेही पर निगाह

मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। विधायक प्रीतम लोधी पहले ही निष्पक्ष कार्रवाई की बात कह चुके हैं। अब देखना होगा कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे क्या कार्रवाई होती है। यह मामला सिर्फ एक हादसा नहीं, बल्कि सड़क सुरक्षा और प्रभावशाली लोगों की जवाबदेही की भी परीक्षा बन गया है।

मुख्यमंत्री अनुरोध यात्रा के लिए भोपाल में उमड़ा शिक्षकों का हुजूम

हजारों की संख्या में शिक्षकों ने टीईटी का विरोध और नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता देने की रखी मांग

नवभारत न्यूज
बदरवास, 19 अप्रैल। टीईटी की अनिवार्यता का विरोध और नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता देने की मांग को लेकर अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने राजधानी भोपाल में हजारों की संख्या में पहुंचकर जोरदार प्रदेश स्तरीय आंदोलन कर अपनी मांगों को उठाते हुए शीघ्र ही मांगो को पूर्ण करने की मांग उठाकर प्रदर्शन किया। प्रांतीय शिक्षक संघ के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष गोविन्द अवस्थी ने बताया कि टीईटी की अनिवार्यता का विरोध और नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता देने की मांग को लेकर अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा द्वारा 8 अप्रैल को जिला स्तर पर,11 अप्रैल को विकासखंड स्तर पर विरोध स्वरूप धरना रैली का आयोजन किया गया था।

शनिवार को राजधानी भोपाल में प्रदेश स्तरीय आंदोलन धरना कार्यक्रम भेल दशहरा मैदान में हुआ जहां प्रदेश भर से लगभग पचास हजार शिक्षकों ने सम्मिलित होकर अपनी मांगों को जोरदार तरीके से उठाया और शासन को चेतावनी दी कि अगर उनकी मांगों को शीघ्र पूरा नहीं किया गया तो आगामी समय में आंदोलन और तेज किया जाएगा। शिवपुरी जिले से भी हजारों के संख्या में शिक्षकों ने गोविन्द अवस्थी, राजकुमार सरैया, स्नेह रघुवंशी, पवन अवस्थी, कपिल परिहार, इरशाद कुरैशी, मनीष बैरागी, सुनील वर्मा, वेदप्रकाश शर्मा, अरविंद सरैया, मनोज शर्मा, मनमोहन जाटव, भरत धाकड़, सुनील गुप्ता, भूपेंद्र रघुवंशी,परवेज खान, विक्रम व्यास के नेतृत्व में पहुंचकर कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दी।अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के बैनर तले एकत्रित हुए सभी शिक्षक संगठनों के प्रांताध्यक्षों ने एकसुर में बोलते हुए कहा कि शासन हमें आंदोलन को मजबूर कर रही है और शिक्षक जैसे गरिमामयी पद पर टीईटी अनिवार्यता कर उनकी प्रतिष्ठा पर प्रश्न चिन्ह लगाया जा रहा है।साथ ही 15-20 वर्ष की सेवा की गणना को शून्य कर शिक्षकों के प्रति अन्याय हो रहा है इसलिए नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता दी जाए और टीईटी अनिवार्यता आदेश को निरस्त किया जाए। कार्यक्रम को अध्यापक शिक्षक संगठनों के प्रांताध्यक्ष मनोहर दुबे,जगदीश यादव, राकेश दुबे, भरत पटेल, राकेश नायक, शिल्पी शिवान, सत्येंद्र तिवारी सहित अन्य वक्ताओं ने लगभग 50 हजार की संख्या में उपस्थित शिक्षकों को संबोधित किया।

जैक एंड जिल स्कूल के छात्रों ने 10वीं परीक्षा में लहराया परचम

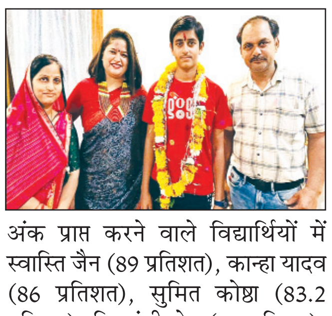

नवभारत न्यूज
शिवपुरी, 19 अप्रैल। सीबीएसई कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणाम में शहर के जैक एंड जिल स्कूल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। छात्रों की इस शानदार सफलता से विद्यालय में खुशी का माहौल रहा, जहां शिक्षकों और प्रबंधन ने मिठाई खिलाकर जश्न मनाया।

इस वर्ष स्कूल के मेधावी छात्र अरिंजय जैन ने 97.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर टॉप किया। वहीं नीरज कुशवाह ने 92.6 प्रतिशत अंक हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया। 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले इन छात्रों ने अपनी मेहनत और लगन का शानदार उदाहरण पेश किया। 80 से 90 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में स्वास्ति जैन (89 प्रतिशत), कान्हा यादव (86 प्रतिशत), सुमित कोष्ठा (83.2 प्रतिशत), दिव्यांशी सेन (83 प्रतिशत), अनमोल भार्गव (82.8 प्रतिशत), आकांक्षा सोनी (81.2 प्रतिशत) और शिवम लाथोरिया (81.2 प्रतिशत) शामिल रहे। वहीं 70 से 80 प्रतिशत वर्ग में दुर्गेश मीना, कृष्णकांत धाकड़ (73.8 प्रतिशत), गगन श्रीवास्तव (74.8 प्रतिशत), उदिश शर्मा (74.4 प्रतिशत), माधवी शर्मा (72.2 प्रतिशत), यशिका जैन (72 प्रतिशत), हार्दिक सोनी (70.6 प्रतिशत) और दिव्यांश मीना (70 प्रतिशत) ने बेहतर प्रदर्शन किया। विद्यालय के संचालक जहार सिंह और मनीषा रावत ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्राचार्य संध्या शर्मा ने छात्रों की सफलता को उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम बताया। परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल बन गया। शिक्षकों और अभिभावकों ने छात्रों को मिठाई खिलाकर उनका उत्साहवर्धन किया।

पिछोर बस स्टैंड पर 4 दुकानों के ताले टूटे, सीसीटीवी तोड़कर चोरी

नकदी, फल ले गए बदमाश, व्यापारियों ने दी बाजार बंद की चेतावनी

शिवपुरी, 19 अप्रैल। पिछोर कस्बे में बस स्टैंड क्षेत्र में शनिवार देर रात अज्ञात चोरों ने तीन से चार दुकानों को निशाना बनाया। चोरों ने दुकानों के ताले तोड़ दिए और अंदर घुसकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पहचान से बचने के लिए उन्होंने दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया।

चोरों ने राधे सेल्स एजेंसी का शटर तोड़ने का प्रयास किया, लेकिन वे इसमें सफल नहीं हो पाए। हालांकि, एक फरूट की दुकान से चोर लगभग 3 से 4 हजार रुपए नकद और दुकान में रखे फल चुरा ले गए। घटना से नाराज पिछोर व्यापार संघ के सभी व्यापारी आज (रविवार) एकजुट होकर थाने पहुंचे। उन्होंने थाना प्रभारी नीतू सिंह को एक ज्ञापन सौंपा। व्यापारियों ने चेतावनी दी कि यदि आठ दिन के भीतर चोरों को गिरफ्तार नहीं किया गया, तो वे धरना प्रदर्शन करेंगे और पूरे पिछोर बाजार को बंद कर देंगे। राधे सेल्स एजेंसी के संचालक नरेंद्र गुप्ता ने बताया कि पिछले साल भी चोरी की घटनाएं हुई थीं। उस समय व्यापारियों ने बाजार बंद कर विरोध प्रदर्शन किया था तब एसडीओपी प्रशांत शर्मा ने जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया था, लेकिन चोरों को आज तक पकड़ा नहीं जा सका। व्यापारियों ने यह भी कहा कि रात में गश्त की जाती है और वाहन भी नगर में घूमते हैं, इसके बावजूद चोर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। थाना प्रभारी नीतू सिंह ने बताया कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।